प्रेस विज्ञप्ति

'बेहतर जीवन के लिए विज्ञान एवं आध्यात्मिकता में समन्वय जरूरी'

'विश्व शांति एवं भाईचारे का संदेश ब्रह्माकुमारीज द्वारा फैलेगा' – शीला दीक्षित

नई दिल्ली, 9 अक्तूबर : प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के द्वारा **प्लैटिनम जुबली महोत्सव** का आयोजन रविवार को सी पी डब्लयू डी मैदान, चिराग दिल्ली मं किया गया । इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि दिल्ली की मुख्य मंत्री शीला दीक्षित जी ने कहा कि जब हम अपने स्वार्थ को भूलकर आत्मिक उन्नति के बारे में सोचेंगे तब ही कलियुग की समाप्ति और नये युग सतयुग की शुरूआत होगी। उन्होने ब्रह्माकुमारीज द्वारा किये जा रहे प्लैटिनम जुबली के इस कार्य 'एक परमात्मा, एक विश्व परिवार' की सरहाना की। इस अवसर पर प्रसिद्ध गीतकार भ्राता शान ने 'कर लो अनुभव प्रभु प्यार का' और ' मेरे परमपिता परमात्मा सदा शिव' गोत पर आए हुए सभी दर्शकों को प्रभु के प्यार का अनुभव कराया।

राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी जी (अतिरिक्त संयुक्त प्रशासिका) ने आर्शीवचन कहे कि स्वंय को भूलने के कारण ही आज विश्व में दुख व अशांति बढती जा रही है। जहां परमात्मा का साथ है, वहां सुख, शांति, प्रेम, आनंद और खुशी जैसी प्राप्तियां सहज हो जाती हैं। परमात्मा हमारे लिए स्वर्ग के सुखों की दुनिया लाए हैं और स्वर्ग बनाने की शुरूआत हमें स्वंय से करनी होगी।

आस्था प्रसिद्ध बी के शिवानी ने कहा कि आज छोटी छोटी बातें आने के कारण परिवार तनाव का अनुभव कर रहा ह। अब जरूरत इस बात की है कि सभी एक दूसरे की सोच का सम्मान करं और अपनी सोच को सकारात्मक बनायें। हम दूसरों को तभी सुख व सम्मान दे पायेंगे, जब हमारे अंदर वह शक्तियां भरी हांगी और वह शक्तियां हमें परमात्मा के साथ संबंध जोडकर ही मिल सकती हैं।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के मुख्य प्रवक्ता ब्रह्माकुमार ब्रिजमोहन जी ने कहा कि आज कोई भी भारतवासी भय, तनाव से मुक्त नहीं है और सभी को अकाले मृत्य् का भय है। उन्होने कहा कि राजयोग के द्वारा लोगों का परमात्मा के साथ दिल का प्यार और बुद्धि का संबंध ही ईश्वरीय शक्ति, सुरक्षा एवं वरदानों की प्राप्ति करायेगा। बी के जयंति जी(लंदन) ने अपने अनुभव से बताया कि परमात्मा हमारी रक्षा तभी कर सकते हैं, जब हम उनकी आज्ञा को पालन करते हैं और उनकी मत पर चलते हैं।

परमात्मा एक है, विश्व एक परिवार है- पर रशिया से आई बहनों ने नृत्य पेश किया और अनेक विदेशी भाई बहनों ने अपने अनुभव बांटे।